आकृति केंद्र की स्थापना के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) के लिए निमंत्रण

'आकृति' 'उन्नत ज्ञान और ग्रामीण/शहरी प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन' कार्यक्रम का संक्षिप्त रूप है।यह एक डीएई-बीएआरसी सामाजिक पहलहै।

इस योजना का उद्देश्य सभी तकनीकी उद्यमियों, शिल्पकारों/कारीगरों, व्यापारियों, पूर्वसैनिकों, शिक्षकों, किसानों, छात्रों, सेवानिवृत्त व्यक्तियों को सामाजिक प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी तक आसान पहुंच प्रदान कर के ग्रामीण और आंतरिक क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी ग्रंथिकासंरचित और मापनीय जाल-तंत्र बनाना है।अपने स्वयं के गांवों/छोटेशहरों/स्थानांतरण और पुनर्वास बस्तियों आदि में कार्यशाला/प्रयोगशालाएं/रखरखाव सहायता/खाद्यप्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करना। संस्थान परिसर के भीतर आकृति केंद्र समाज के कमजोर वर्ग के लिए संस्थान के संकाय और बीएआरसी वैज्ञानिकों की सलाह के तहत कौशल हासिल करने की सुविधा बन जाएगा और इसतरह, स्टार्ट-अप स्थापित करने और आंतरिक क्षेत्रों में नौकरियां पैदा करने में म दद मिलेगी। संस्थान परिसर के भीतर आकृति केंद्र समाज के कमजोर वर्ग के लिए संस्थान के संकाय और बीएआरसी वैज्ञानिकों की सलाह के तहत कौशल हासिल करने की सुविधा बन जाएगा और इस तरह, स्टार्ट-अप स्थापित करने और आंतरिक क्षेत्रों में नौकरियां पैदा करने में मदद मिलेगी। इन केंद्रों द्वारा आयोजित प्रचार कार्यक्रमों में अस्थायी छात्रों की आबादी और उन के माता-पिता को उद्योग और उद्यमियों के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर मिलेगा। संकाय, बीएआरसी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के साथ लाभार्थियों को सलाह देने के लिए संबंधित संस्थानों के आकृति केंद्र में भी शामिल हो सकते हैं और डीएई के कार्यक्रमों के साथ सहयोग करने के अवसर तलाश सकते हैं। यह केंद्र संस्थान के सामाजिक कल्याण केंद्रों में से एक बनजाएगा जहां ज्ञान और कौशल (लाभार्थियों की अपनी मूलभाषा में) उन सभी को साझा किया जाएगा जो सीखना चाहते हैं, चाहे उनकी उम्र, शैक्षणिक पृष्ठभूमि, मातृभाषाया मूलस्थान कुछ भी हो।

चयनित संस्थानों को बिना किसी शुल्क केगैर-वाणिज्यिक अनुज्ञापत्र पर बीएआरसी की स्पिन-ऑफ प्रौद्योगिकियों पर तकनीकी प्रशिक्षण दस्तावेजों तक पहुंच प्रदान की जाएगी, जिस में संस्थान द्वारा प्रचार के लिए प्रदर्शन के लिए आकृति केंद्र में प्रतिनियुक्त कर्मचारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिलहै। समाजोपयोगी प्रौद्योगिकियाँ। संस्थानों के प्रामाणिक छात्र

आकृति केंद्र में बीएआरसी वैज्ञानिकों की देख रेख में स्पिन-ऑफ प्रौद्योगिकियों पर परियोजनाकार्य करने में सक्षम होंगे।

संस्थान के भीतर पहलेसे स्थापित पंजीकृत उद्भवन केंद्र भी यदि चाहे तो विज्ञापित स्पिन-ऑफ प्रौद्योगिकियों में से किसी के लिए निर्धारित शुल्क के भुगतान पर वाणिज्यिक अनुज्ञापत्र के लिए आवेदन कर सकता है। हालाँकि, **वाणिज्यिक गतिविधियों को शुरू करने से पहले, उद्भवन केंद्र सहित किसी भी बीएआरसी वाणिज्यिक अनुज्ञापत्रधारीद्वारा उत्पादों/ संयंत्रों के निर्माण, विपणन और तैनाती के लिए स्थानीय सरकारी अधिकारियों सेवैधानिक अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।** बीएआरसी का अनुज्ञापत्र केवल अनुज्ञापत्रधारक को उत्पाद बनाने के लिए दस्तावेज़ में दिए गए ज्ञान का उपयोग करने की अनुमति देता है और इसे सरकार द्वारा जारी वाणिज्यिक अनुज्ञापत्र के विकल्प के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

संस्थान अपने अच्छे कार्यालयों के माध्यम से नवोदित उद्यमियों को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए मार्गदर्शन कर सकता है।

कृपया ध्यान दें कियह बीएआरसी का कोई फंडिंग कार्यक्रम नहीं है।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों के माध्यम से दूरस्थ/आंतरिक और दूरदराज के क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए है। इसका उद्देश्य भारत के जीवंत स्टार्ट-अप पारिस्थिति की तंत्रको बीएआरसी स्पिन-ऑफ प्रौद्योगिकियों से जोड़ना है ताकि समाज के वंचित और कमजोर वर्ग, जिन के पास औपचारिक शिक्षा तक पहुंच नहीं है, की मदद की जा सके, ताकि उन्हें आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में योगदान करने के लिए तैयार किया जा सके।

प्रदर्शन के लिए प्रदर्शन या मूल बीएआरसी द्वारा ऑनसाइट सुविधा की आवश्यकताओं और उपलब्धता के अनुसार सख्ती से वापसी योग्य आधार पर प्रदान किया जा सकता है।

परिसर के भीतर मौजूद सुविधा के विवरण के साथ संस्थान के टाइटिल पर ईओआई को भरे हुए आईआईएफ -आकृति 2023 फॉर्म के साथ (जिसे जरूरत पड़ने पर आकृति केंद्र को मांग के आधार पर प्रदान किया जा सकता है) प्रमुख, टीटीएंडसीडी, बीएआरसी को भेजा जा सकता है।

आकृति केंद्र की स्थापना के लिए डीएई के साथ पहले से ही सक्रिय समझौता ज्ञापनवाले संस्थानों को दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

बीएआरसी किसी भी ईओआई कोस्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

कृपया हस्ताक्षरकर्ता की मुहर के साथ विश्वविद्यालय/संस्थान के शीर्षक पर एक आवरणपत्र के साथ संलग्नकों के साथ हस्ताक्षरित फॉर्म भेजें:

प्रमुख,

टी टी एवं सी डी,

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र,

ट्रॉम्बे, मुंबई 400085

ईमेल: akruti@barc.gov.in (विषय: आकृति के लिए ईओआई- <विश्वविद्यालय>)

(केवल स्पीडपोस्ट , ईमेल/हाथ से भेजी गई प्रस्तुति पर विचार नहीं किया जाएगा)